

सुविधार
जो दान बिना सत्कार के
कुपात्र को दिया जाता है
वह तमस दान कहलाता है!!

श्रीमद् भगवद् गीता

www.purvanchalsurya.com



पूर्वांचल सूर्य

रांची ➤ दिल्ली ➤ देवघर से प्रकाशित

आवाज आज की, नज़र कल पर



11

RNI No.- JAHIN/2007/24306

वर्ष - 17

अंक 213

दैनिक

रांची

शनिवार 16 मार्च 2024

पृष्ठ - 12

मूल्य : ₹ 4.00



कोल्हान विश्वविद्यालय, चार्डबासा अंतर्गत पश्चिमी सिंहभूम जिला के हाटगढ़म्हण्डिया एवं बंदगांव में डिग्री महाविद्यालय तथा अन्य योजनाओं का

**रिलान्यास, उद्घाटन एवं
परिसंपत्ति वितरण समारोह**



दिनांक : 16 मार्च 2024

समय : पूर्वाह्न 10:00 बजे

स्थान : टाटा कॉलेज ग्राउंड, चार्डबासा

—०४— मुख्य अतिथि —०५—

श्री चन्द्रपाई सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

—०६— विशेष अतिथि —०७—

श्री आलमगीर आलममाननीय मंत्री, संसदीय कार्य, ग्रामीण विकास,
ग्रामीण कार्य, एवं पंचायती राज विभाग, झारखण्ड**श्री सत्यानंद भोका**माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण
एवं कौशल विकास तथा उद्योग विभाग, झारखण्ड**श्री अर्जुन मुंडा**माननीय मंत्री, जनजातीय कार्य एवं कृषि
और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार**श्री दीपक बिठ्ठा**माननीय मंत्री, अनुसूचित जाति,
अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण
और परिवहन विभाग, झारखण्ड**श्रीमती गीता कोड़ा**

माननीय सांसद, सिंहभूम लोकसभा

—०८— गदिमामयी उपस्थिति —०९—

श्रीमती जोबा माझी

माननीय विधायक, मनोहरपुर

श्री निरल पुर्खी

माननीय विधायक, मझगांव

श्री दशरथ गागराई

माननीय विधायक, खटसावां

श्री सोनाराम सिंह

माननीय विधायक, जगन्नाथपुर

सुश्री लक्ष्मी सुरेन

माननीय जिला परिषद अध्यक्षा चार्डबासा



सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR - 322939 (IPRD) 2023-24

सलूजा गोल्ड स्कूल में आईआईटी आईएसएम के शिक्षक द्वारा कैरियर काउंसलिंग



पुष्ट प्रतिनिधि प्रिंडीह। प्रिंडीह के सलूजा गोल्ड इंस्पेसेन्स नेटवर्क स्कूल में शुक्रवार को कैरियर काउंसलिंग में अलग-अलग स्कूलों के कई छात्रों ने भाग लिया। कैरियर काउंसलिंग में शामिल छात्रों के बीच धनबाद आईएसएम-आईआईटी के गणित शिक्षक संजीव आनंद साहू ने सफलता के कई टिप्पणियां काउंसलिंग में छात्रों के साथ उनके अभिभावक भी शामिल हुए। इस दौरान गणित शिक्षक संजीव आनंद साहू ने बताया कि चुनौतियों से समाज को ही सफलताएँ हासिल किया जा सकता है।

गणित शिक्षक संजीव आनंद ने छात्रों के अभिभावकों के बीच कहा कि बोरो में बहन के उस मुकाम को शुक्रवार नहीं किया जाता, जिसके लिए छात्रों को कठिन अव्ययिता से गुराना पड़ रहा है। इनके कैरियर काउंसलिंग की शुरूआत स्कूल के निदेशक जाकार सहृदय सलूजा, मण्डप्रीत सलूजा, प्राचार्य नीता दास, उप प्राचार्य सुरज लाला समेत अन्य शिक्षकों ने दीप जलाकर किया। इस दौरान काउंसलिंग में छात्रों के बीच कई शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सीएमपीडीआई में मनाया गया विश्व महिला दिवस

वरीय संवाददाता रांची। सीएमपीडीआई (मुख्यालय), रांची में विविधाता, सशक्तिकरण और अधिकार असमानताओं के महत्व का उजागर करने के लिए इस वर्ष की थीम “महिलाओं में निवेश-प्रगति तेजी जाए” और अधिकार थीम “इंस्पायर इन्जूक्यून” के साथ विश्व महिला दिवस मनाया गया। कसरी महिला सभा की अध्यक्ष रुचाली गुप्ता ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मोक्ष पर उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि यदि मजबूत अर्थव्यवस्था और एक स्वयं प्लानेट बनाना चाहते हैं तो लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को पहले से अधिक महत्व प्रदान करना होगा। इस असर पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंधन निदेशक मनोज कुमार, निदेशक (तकनीकी/पीएंडी) अजय कुमार, निदेशक (तकनीकी/एसएस) सतीश जा, निदेशक (तकनीकी/आरडीएडी) अच्युत घटक, लाला सभा की सदस्य सुभाना भारती, महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षण, अधिकारी एवं कर्मचारीणगं उपरितथ थे।

मुख्य अतिथि डा. साक्षी सिंह प्रब्ल्यूआर स्ट्री रेग विशेषज्ञ ने महिलाओं में आम स्वास्थ्य समस्याओं और महिला के कल्पाणके के महत्व पर प्रकाश डाला तथा जा सन बल्भ-पारेट ट्रैकर ने विर्तीय लक्षणों को प्राप्त करने के लिए विशेष प्लानिंग और प्रबंधन तथा संसाधनों के प्रभावी उपयोग के बारे में बताया। तथा शत्रु अंतरिक महिला समूहों द्वारा एक संस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

इस समारोह में संस्कृतिक रूप से अधिक महिला निदेशक मनोज कुमार, निदेशक (तकनीकी/पीएंडी) अजय कुमार, निदेशक (तकनीकी/एसएस) सतीश जा, निदेशक (तकनीकी/आरडीएडी) अच्युत घटक, लाला सभा की सदस्य सुभाना भारती, महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षण, अधिकारी एवं कर्मचारीणगं उपरितथ थे।

यह समारोह कोल इंडिया लिमिटेड के दरभंगा हाउस स्थित कार्नेंट्स हाउस हाउस तथा बताया किया गया।

इस समारोह में कार्यक्रम को जानकारी देते हुए रांची से रीजनल कॉर्टेसिल के अंतर्गत इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एफ इंडिया (आईएपीआई) की रांची शाखा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय समारोह -उत्कर्ष- का आयोजन 16 एवं 17 मार्च को किया जाएगा।

यह समारोह कोल इंडिया लिमिटेड के दरभंगा हाउस स्थित कार्नेंट्स हाउस हाउस तथा बताया किया गया।

इस समारोह में रुचाली गुप्ता के बारे में भाग लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डा. शिल्पी स्वरूप-मुख्य चिकित्सा अधिकारी/विप्स समन्वयक, महाप्रबंधक (सीपी) आभा प्रसाद एवं विभागाध्यक्ष (आईएडी) स्वनाली बसु को भूमिका अहम रही उक्त जानकारी धीरज कुमार, मुख्य प्रबंधक (टीएस/माइनिंग) ने दी।

नारी के सम्मान बिना सामाजिक उत्थान संभव नहीं : सुबोधकांत सहाय

● रांची जिला महिला कांग्रेस कमेटी का नारी व्याया

सम्मान समारोह आयोजित



वरीय संवाददाता रांची। नारी को समर्चित सम्मान दिए बिना सामाजिक उत्थान और रास्ते के नवीनीर्माण की बातें बेमौनी हैं। उक्त बातें पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने रांची जिला महिला कांग्रेस कमेटी के उत्थान के लिए प्रबंधन अंतर्गत अंतर्गत सुबोधकांत सहाय ने भाग लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डा. शिल्पी स्वरूप-मुख्य चिकित्सा अधिकारी/विप्स समन्वयक, महाप्रबंधक (सीपी) आभा प्रसाद एवं विभागाध्यक्ष (आईएडी) स्वनाली बसु को भूमिका अहम रही उक्त जानकारी धीरज

कुमार, मुख्य प्रबंधक (टीएस/माइनिंग) ने दी।

नारी के सम्मान बिना सामाजिक

उत्थान संभव नहीं : सुबोधकांत सहाय

● रांची जिला महिला कांग्रेस कमेटी का नारी व्याया

सम्मान समारोह आयोजित



वरीय संवाददाता रांची। नारी को समर्चित सम्मान दिए बिना सामाजिक उत्थान और रास्ते के नवीनीर्माण की बातें बेमौनी हैं। उक्त बातें पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने रांची जिला महिला कांग्रेस कमेटी के उत्थान के लिए प्रबंधन अंतर्गत अंतर्गत सुबोधकांत सहाय में भाग लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डा. शिल्पी स्वरूप-मुख्य अंतर्गत की है। उक्त बातें बेमौनी हैं। महिला सशक्तिकरण से अधिकारी के उत्थान के लिए विशेषज्ञ विकास को बल मिल रही है। शामिल होने के बाद उक्त जानकारी की अपील की जाएगी। इस समारोह में अपील की जाएगी। इस अवसर पर खिरी के बिंदु विभागाध्यक्ष राजेश राजेश, सुभाना भारती, महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षण, अधिकारी एवं कर्मचारीणगं उपरितथ थे।

खलारी के एसीसी सीमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत्तकर्मियों को आवंटित करने की लगाई गुहार

● लीज भूमि पर बने आवासों का स्वामित्व

सेवानिवृत्तकर्मियों को आवंटित करने की लगाई गुहार

वरीय संवाददाता रांची। खलारी स्थित एसीसी सीमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत्तकर्मियों ने लीज भूमि पर बने आवासों का स्वामित्व उसमें रहने वाले सेवानिवृत्तकर्मियों ने उनके जिले के दिए जाने की मांग करते हुए पूर्व के द्वाये मंत्री सुबोधकांत सहाय को गुहार लगाई है। इस सम्बंध में खलारी सीमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत्तकर्मियों ने श्री सहाय को एक जारी करने के लिए एसेजे ने उपस्थिति सभी को दिए जाने की मांग करते हुए अपील की जाएगी। इस सम्बंध में खलारी सीमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत्तकर्मियों ने लीज भूमि पर बने आवासों में रह रहे सेवानिवृत्तकर्मियों और अन्य लोगों के नाम स्वामित्व दिलाने के लिए पहल करना चाहिए।

इस अवसर पर भवतारन कर्मकार, मंगलमय मंडल, मधुवन राम, एसपी चौपासिया, वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, एसएन सिंह, इंदिरा देवी, मृत्ती देवी सहित काफी संख्या में खलारी एसीसी सीमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत्तकर्मियों वाले भी अपील की जाएगी।

खलारी के एसीसी सीमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत्तकर्मियों ने लीज भूमि पर बने आवासों के साथ उनके जिले के दिए जाने की मांग करते हुए पूर्व के द्वाये मंत्री सुबोधकांत सहाय को गुहार लगाई है। इस सम्बंध में खलारी सीमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत्तकर्मियों ने लीज भूमि पर बने आवासों में रह रहे सेवानिवृत्तकर्मियों और अन्य लोगों के नाम स्वामित्व दिलाने के लिए एक जारी कोर्स शामिल करने का जारी रहा है।

खलारी के एसीसी सीमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत्तकर्मियों ने लीज भूमि पर बने आवासों के साथ उनके जिले के दिए जाने की मांग करते हुए पूर्व के द्वाये मंत्री सुबोधकांत सहाय को गुहार लगाई है। इस सम्बंध में खलारी सीमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत्तकर्मियों ने लीज भूमि पर बने आवासों में रह रहे सेवानिवृत्तकर्मियों और अन्य लोगों के नाम स्वामित्व दिलाने के लिए एक जारी कोर्स शामिल करने का जारी रहा है।

खलारी के एसीसी सीमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत्तकर्मियों ने लीज भूमि पर बने आवासों के साथ उनके जिले के दिए जाने की मांग करते हुए पूर्व के द्वाये मंत्री सुबोधकांत सहाय को गुहार लगाई है। इस सम्बंध में खलारी सीमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत्तकर्मियों ने लीज भूमि पर बने आवासों में रह रहे सेवानिवृत्तकर्मियों और अन्य लोगों के नाम स्वामित्व दिलाने के लिए एक जारी कोर्स शामिल करने का जारी रहा है।

खलारी के एसीसी सीमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत्तकर्मियों ने लीज भूमि पर बने आवासों के साथ उनके जिले के दिए जाने की मांग करते हुए पूर्व के द्वाये मंत्री सुबोधकांत सहाय को गुहार लगाई है। इस सम्बंध में खलारी सीमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत्तकर्मियों ने लीज भूमि पर बने आवासों में रह रहे सेवानिवृत्तकर्मियों और अन्य लोगों के नाम स्वामित्व दिलाने के लिए एक जारी कोर्स शामिल करने का जारी रहा है।

1,300 से अधिक कंपनियों और व्यक्तियों ने इलेक्ट्रोल बांड के रूप में दानदिया, जिसमें 2019 के बाद से भाजपा को 6,000 करोड़ से अधिक कादान शामिल: राजेश ठाकुर

विशेष संवाददाता

रांची। कांग्रेस भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा नेताओं ने गैंग बनाकर इलेक्ट्रोल बांड के जरिए रकम की बसूली की है। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, संगठन महासचिव अमृत्यु नीरज खलखले, मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी, प्रवक्ता जगदीश साहु उपस्थित थे।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि 15 फरवरी 2024 को इलेक्ट्रोल बांड को असंवैधानिक घोषित करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से मोदी सरकार एसबीआई के माध्यम से - लगातार इस बात को समन्वय नहीं किया गया। 10 वर्ष में एक भी प्रेस वार्ता नहीं किया गया। सिफर अपने मन की बात की ओर अपने मन से मनमानी की तराम पर पापांगों को दरकिनार करते हुए चुनाव अपेक्षा आनन्द फानन में आचार-संहिता लागू करने की घोषणा इसलिए कर रही भाजपा के इलेक्ट्रोल बांड के घोटाले समन्वय आप से प्रधानमंत्री का भ्रष्टाचार के मामले में दोहरी नीति का पर्दाफाश न हो।

उन्होंने कहा आश्वय की बात यह है कि 20 फरवरी 2024 को ईडी, सीबीआई और आईटी विभाग के लाए या जांच के तुरंत बाद 30 कंपनियों से

बीजेपी को 335 करोड़ रुपए तक का चंदा मिलना यह साबित करता है कि भाजपा संवैधानिक संस्थाओं को इलेक्ट्रोल डारा-धमका कर हफ्ता बसूली में लगा है। सेबी ने जिन चार कंपनियों को फर्जी (स्पॉल कंपनी) बताया है, उनसे भाजपा ने 4.9 करोड़ का चंदा क्यों लिया? इन कंपनियों के माध्यम से भाजपा के पास किसका काल धन आया? कोरोना जैसी बड़ी महामारी में मोदी सरकार ने टीके बनाने का एकमात्र अधिकार सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को दिया गया सीरम इंस्टीट्यूट को फर्जी बांड्या ने भी 50 करोड़ का चंदा कर्तव्य उससे मन नहीं भरा तो बूस्टर डोज लगाया जिसका परिणाम यह देखने को मिला रहा है कि युवा और बुजु़ग को हार्ट अटैक हो रहे हैं मोदी जी को इसका जवाब देना पड़ेगा।

10 वर्ष में एक भी प्रेस वार्ता नहीं किया गया। सिफर अपने मन की बात की ओर अपने मन से मनमानी की तराम पर पापांगों को दरकिनार करते हुए चुनाव अपेक्षा आनन्द फानन में आचार-संहिता लागू करने की घोषणा इसलिए कर रही भाजपा के इलेक्ट्रोल बांड के घोटाले समन्वय आप से प्रधानमंत्री का भ्रष्टाचार के मामले में दोहरी नीति का पर्दाफाश न हो।

उन्होंने कहा आश्वय की बात यह है कि 20 फरवरी 2024 को ईडी, सीबीआई और आईटी विभाग के लाए या जांच के तुरंत बाद 30 कंपनियों से



इस पर कोई बहस हो।

इलेक्ट्रोल बांड से जुड़ी जानकारी समन्वय आपने के बाद यह पहला विश्लेषण है जिसे एसबीआई ने चुनाव के बाद तक स्थिति करने के लिए हफ्तों के प्रयास के बाद कल रात सावंतव्यक घोषित किया। 1,300 से अधिक कंपनियों और व्यक्तियों ने युवा और बुजु़ग को हार्ट अटैक हो रहे हैं मोदी जी को इसका जवाब देना पड़ेगा।

10 वर्ष में एक भी प्रेस वार्ता नहीं किया गया। सिफर अपने मन की बात की ओर अपने मन से मनमानी की तराम पर पापांगों को दरकिनार करते हुए चुनाव अपेक्षा आनन्द फानन में आचार-संहिता लागू करने की घोषणा इसलिए कर रही भाजपा के इलेक्ट्रोल बांड के घोटाले समन्वय आप से प्रधानमंत्री का भ्रष्टाचार के मामले में दोहरी नीति का पर्दाफाश न हो।

उन्होंने कहा आश्वय की बात यह है कि 20 फरवरी 2024 को ईडी, सीबीआई और आईटी विभाग के लाए या जांच के तुरंत बाद 30 कंपनियों से

और इसके तुरंत बाद सरकार से भारी लाभ प्राप्त किया है:

क. मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रा ने 800 करोड़ रुपए से अधिक इलेक्ट्रोल बांड में दिए हैं। अप्रैल 2023 में उन्होंने 140 करोड़ दोनों किया और यीक तक 14,400 करोड़ रुपए की टाइपे बीरीकली टिकन टनल प्रोजेक्ट मिल गया।

ख. जिंदल स्टील एंड होटल्स ने 1200 करोड़ रुपए से अधिक का बाद दिया है, जिसमें 2019 के बाद से भाजपा को 6,000 करोड़ से अधिक का बाद दिया है।

अब तक, इलेक्ट्रोल बांड का डेटा भाजपा की कम से कम 4 भ्रष्ट नीति को समाप्त लाता है। 1) चंदा दो, धंधा लो।

हफ्ता बसूली: - भाजपा की हफ्ता बसूली नीति बेहद सरल है - ईडी/सीबीआई/आईटी के माध्यम से

किसी कंपनी पर छापा मारा और उसी महीने उन्होंने इलेक्ट्रोल बांड में 65 करोड़ रुपए का दान दिया।

3) रिश्त लेने का नया तरीका ऑकड़ों से एक पैटर्न उभरता है, जिसके केंद्र सरकार से बुझाये गये। इंडी/सीबीआई/आईटी बापे के बाद, कंपनियों को चुनावी ट्रॉटों के माध्यम से भाजपा को दान देने के लिए मजबूर किया गया था हेट्रो फार्मा और यशोदा अस्पताल जैसी कई कंपनियों ने इलेक्ट्रोल बांड में अधिक का बाद दिया है।

ख. इनका मैट्रेस विभाग ने दिसंबर 2023 में शिरडी साई इलेक्ट्रोल बांड पर छापा मारा और जनवरी 2024 में उन्होंने इलेक्ट्रोल बांड में 25 करोड़ रुपए का दान दिया।

ग. पूर्वाचर गेमिंग एंड होटल्स ने 1200 करोड़ रुपए से अधिक का बाद दिया है, जो इसे अब तक के ऑकड़ों में सभसे बड़ा दान देने वाला बनाता है।

आपने को अप्रैल 2022: 2 अप्रैल 2023: 2 अप्रैल 2024: 2 अप्रैल 2025: 2 अप्रैल 2026: 2 अप्रैल 2027: 2 अप्रैल 2028: 2 अप्रैल 2029: 2 अप्रैल 2030: 2 अप्रैल 2031: 2 अप्रैल 2032: 2 अप्रैल 2033: 2 अप्रैल 2034: 2 अप्रैल 2035: 2 अप्रैल 2036: 2 अप्रैल 2037: 2 अप्रैल 2038: 2 अप्रैल 2039: 2 अप्रैल 2040: 2 अप्रैल 2041: 2 अप्रैल 2042: 2 अप्रैल 2043: 2 अप्रैल 2044: 2 अप्रैल 2045: 2 अप्रैल 2046: 2 अप्रैल 2047: 2 अप्रैल 2048: 2 अप्रैल 2049: 2 अप्रैल 2050: 2 अप्रैल 2051: 2 अप्रैल 2052: 2 अप्रैल 2053: 2 अप्रैल 2054: 2 अप्रैल 2055: 2 अप्रैल 2056: 2 अप्रैल 2057: 2 अप्रैल 2058: 2 अप्रैल 2059: 2 अप्रैल 2060: 2 अप्रैल 2061: 2 अप्रैल 2062: 2 अप्रैल 2063: 2 अप्रैल 2064: 2 अप्रैल 2065: 2 अप्रैल 2066: 2 अप्रैल 2067: 2 अप्रैल 2068: 2 अप्रैल 2069: 2 अप्रैल 2070: 2 अप्रैल 2071: 2 अप्रैल 2072: 2 अप्रैल 2073: 2 अप्रैल 2074: 2 अप्रैल 2075: 2 अप्रैल 2076: 2 अप्रैल 2077: 2 अप्रैल 2078: 2 अप्रैल 2079: 2 अप्रैल 2080: 2 अप्रैल 2081: 2 अप्रैल 2082: 2 अप्रैल 2083: 2 अप्रैल 2084: 2 अप्रैल 2085: 2 अप्रैल 2086: 2 अप्रैल 2087: 2 अप्रैल 2088: 2 अप्रैल 2089: 2 अप्रैल 2090: 2 अप्रैल 2091: 2 अप्रैल 2092: 2 अप्रैल 2093: 2 अप्रैल 2094: 2 अप्रैल 2095: 2 अप्रैल 2096: 2 अप्रैल 2097: 2 अप्रैल 2098: 2 अप्रैल 2099: 2 अप्रैल 2010: 2 अप्रैल 2011: 2 अप्रैल 2012: 2 अप्रैल 2013: 2 अप्रैल 2014: 2 अप्रैल 2015: 2 अप्रैल 2016: 2 अप्रैल 2017: 2 अप्रैल 2018: 2 अप्रैल 2019: 2 अप्रैल 2020: 2 अप्रैल 2021: 2 अप्रैल 2022: 2 अप्रैल 2023: 2 अप्रैल 2024: 2 अप्रैल 2025: 2 अप्रैल 2026: 2 अप्रैल 2027: 2 अप्रैल 2028: 2 अप्रैल 2029: 2 अप्रैल 2030: 2 अप्रैल 2031: 2 अप्रैल 2032: 2 अप्रैल 2033: 2 अप्रैल 2034: 2 अप्रैल 2035: 2 अप्रैल 2036: 2 अप्रैल 2037: 2 अप्रैल 2038: 2 अप्रैल 2039: 2 अप्रैल 2040: 2 अप्रैल 2041: 2 अप्रैल 2042: 2 अप्रैल 2043: 2 अप्रैल 2044: 2 अप्रैल 2045: 2 अप्रैल 2046: 2 अप्रैल 2047: 2 अप्रैल 2048: 2 अप्रैल 2049: 2 अप्रैल 2050: 2 अप्रैल 2051: 2 अप्रैल 2052: 2 अप्रैल 2053: 2 अप्रैल 2054: 2 अप्रैल 2055: 2 अप्रैल 2056: 2 अप्रैल 2057: 2 अप्रैल 2058: 2 अप्रैल 2059: 2 अप्रैल 2060: 2 अप्रैल 2061: 2 अप्रैल 2062: 2 अप्रैल 2063: 2 अप्रैल 2064: 2 अप्रैल 2065: 2 अप्रैल 2066: 2 अप्रैल 2067: 2 अप्रैल 2068: 2 अप्रैल 2069: 2 अप्रैल 2070: 2 अप्रैल 2071: 2 अप्रैल 2072: 2 अप्रैल 2073: 2 अप्रैल 2074: 2 अप्रैल 2075: 2 अप्रैल 2076: 2 अप्रैल 2077: 2 अप्रैल 2078: 2 अप्रैल 2079: 2 अप्रैल 2080: 2 अप्रैल 2081: 2 अप्रैल 2082: 2 अप्रैल 2083: 2 अप्रैल 2084: 2 अप्रैल 2085: 2 अप्रैल 2086: 2 अप्रैल 2087: 2 अप्रैल 2088: 2 अप्रैल 2089: 2 अप्रैल 2090: 2 अप्रैल 2091: 2 अप्रैल 2092: 2 अप्रैल 2093: 2 अप्रैल 2094: 2 अप्रैल 2095: 2 अप्रैल 2096: 2 अप्रैल 2097: 2 अप्रैल 2098: 2 अप्रैल 2099: 2 अप्रैल 2010: 2 अप्रैल 2011: 2 अप्रैल 2012: 2 अप्रैल 2013: 2 अप्रैल 2014: 2 अप्रैल 2015: 2 अप्रैल 2016: 2 अप्रैल 2017: 2 अप्रैल 2018: 2 अप्रैल 2019: 2 अप्रैल 2020: 2 अप्रैल 2021: 2 अप्रैल 2022: 2 अप्रैल 2023: 2 अप्रैल 2024: 2 अप्रैल 2025: 2 अप्रैल 2026: 2 अप्रैल 2027: 2 अप्रैल 2028: 2 अप्रैल 2029: 2 अप्रैल 2030:

